बालाजी का तीर्थ-स्थान है,वहां प्रोटेक्शन की बड़ी आवश्यकता है। राजस्थान सरकार पूरा प्रयत्न कर रही है।

सभापति महोदय,मैं आपके माध्यम से दो बातें केन्द्र सरकार से कहना चाहता हूं। माननीय कृषि मंत्री महोदय नहीं है।

श्री वी.नारायणसामी: हैं,पीछे बैठे है।

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी: उन्होंने कहा था कि यह जो बीमा है,कृषि बीमा,इस बीमा को हम पंचायत के हिसाब से लगाएंगे। अतः पंचायत समिति के हिसाब से कैलकुलेशन का बंद कर देंग,पंचायत के हिसाब से लगाएंगे। मेरी आपसे प्रार्थना है कि भंयकर बाढ़ आने से अभी तक जो फसल वहां नष्ट हुई है,उसके लिए आप जल्दी से पंचायत से जानकारी लेकर कुछ एक्शन लें।

सभापति महोदय,मैं आपके माध्यम से एक बात और कहना चाहता हूं कि इस बारे में जो नॉर्म्स बने हुए है-पक्के मकानों के टूटने के,कच्चे मकानों के टूटने के,लोगों की फसल बर्बाद होने के,ये बहुत पुराने नॉर्म्स है। इन नॉर्म्स को आज अविलम्ब रिवाइज़ करने की आवश्यकता है,ताकि जो पीड़ित लोग है,उनको पूरा भुगतान किया जा सके,उनकी क्षतिपूर्ति की जा सके।

Situation arising out of the heavy rain fall in the State of Madhya Pradesh

श्री मती माया सिंह(मध्य प्रदेश): सभापति जी,मैं सदन का ध्यान मध्य प्रदेश में हुई भीषण वर्षा और उससे हुई त्रासदी की ओर दिलाना चाहती हूं।

महोदय,मध्य प्रदेश में इस भीषण वर्षा से 23 जिले प्रभावित हुए है और हालत वहां इतनी बिगड़ गई है कि भोपाल शहर तथा 660 गावों में लगातार वर्षा से तबाही मच गई है,16 गांव पूरी तरह से तबाह हो गए हैं,सम्पर्क टूट गया है,जनता असहाय होकर छतों पर और पेड़ों पर चढ़ी हुई है। सभी जगह पानी ही पानी नज़र आता है। फसलें चौपट हो गई है। पशु या तो मर गए है या भुखमरी की हालत में है। इस त्रासदी से मध्य प्रदेश में अब तक 121 लोगों की जानें चली गई है और 8 लोग लापता हैं। इसके साथ ही साथ करोड़ों रूपए की सम्पत्ति इसके कारण नष्ट हो गई है और जो अनिवार्य सेवाएं है-सड़क,बिजली और टेलिफोन,ये सब वहां पर घ्वस्त हो गई है। 7780 मकान बिल्कुल ध्वस्त हो गए है,गिर पड़े है। इसी तरह से 8819 पशु अकाल मौत से मर गए है। 5.5 लाख परिवार इस बाढ़ से तबाह व प्रभावित हुए है। और तीन लाख हैक्टेयर कृषि भूमि की फसल चौपट हुई है। दो हैलिकॉप्टर वहां बुलाए गए थे,होशंगाबाद और गुना के बीच में सड़क मार्ग टूट जाने के कारण,ताकि हैलिकॉप्टर के द्वारा वहां पर भोजन,दवाई आदि सारी वस्तुएं उपलब्ध कराई जा सकें।

सभापति जी,मध्य प्रदेश की स्थिति बहुत ही दयनीय है। राज्य सरकार ने वहां पर 50 किलोग्राम गेहूं या चावल और 5 लीटर मिट्टी का तेल प्रभावित लोगों को देने की व्यवस्था की है। राज्य सरकार ने वहां महामारी न फैले,इसके लिए भी अनेक उपाय किए है,वहां दवाइयों का वितरण लगातार जारी है,इसके बाद भी मध्य प्रदेश अभी बाढ़ के खतरे से खाली नहीं है,क्योंकि इसके बाद भी दो महीने और हमारे लिए बहुत खतरे वाले है। भारत सरकार ने मध्य

प्रदेश को केवल ९८.९ करोड़ रूपए की अपने प्राकृतिक आपदा कोष से मदद की है। राज्य सरकार की ओर सब बाढ़ की स्थिति और उससे हुए नुकसान का प्राथमिक आकलन करके प्रधान मंत्री जी को एक ज्ञापन सौंपा गयाहै और अभी मध्य प्रदेश के सभी सांसदों ने माननीय प्रधान मंत्री जी से ज्ञापन के माध्यम से पुनः आग्रह किया है,लेकिन उसके बाद मध्य प्रदेश की स्थिति और बिगड़ी है। अतः ज्ञापन के माध्यम से जो राशि मांगी गई है,वह राहत कार्यो के लिए बहुत कम पड़ रही है।

इसलिए हमारी मांग है कि इस त्रासदी को देखते हुए केन्द्र सरकार तत्काल 1000 करोड़ की प्रारम्भिक राशि राज्य सरकार को प्रदान करे तथा केन्द्रीय दल के आकलन के पश्चात अतिरिक्त राशि वहां रिलीज़ की जाए,ताकि वहां पर सुविधा और सांधनों का अभाव न हो और राहत कार्य शुरू किया जा सके। सर,अभी तक वहां पर आकलन के लिए टीम नहीं पहुंची है,केन्द्र सरकार की ओर से टीम भी जल्दी भेजी जाए।

श्री सभापति: बहुत-बहुत धन्यवाद आपका। श्री के.बी.शणप्पा।

श्री के.बी.शणप्पा(कर्णाटक): सभापति जी,मैडम ने जो कुछ बोला है,मैं उसको ऐसोसिएट करता हूं।

Flood situation in the State of Rajasthan

डा.प्रभा ठाकुर (राजस्थान): सभापति जी,बाढ़ की चपेट में जिस तरह महाराष्ट्र,मध्य प्रदेश,गुजरात आए,उसी तरह इस बार राजस्थान के भी कई क्षेत्र, अंचल बाढ़ की चपेट में आए,कई लोगों की मौतें भी हुई। सरकार और प्रशासन समय पर चेतते और समय पर बांध के दरवाजे खोले जाते,तो हो सकता है कि बाढ़ का इतना भंयकर तांडव होने और कई लोगों की जानें जाने से बचा जा सकता था। महोदय,इसमेंएक बहुत ही दुखद त्रासदी की ओर मैं आपके माध्यम से इस सदन और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगी कि फालना में जोधपुर के निकट ऐसी भीषण त्रासदी को पूरे हिन्दुस्तान ने देखा है कि एक ही परिवार के पांच सदस्य उस बाढ़ में बह गए,उनकी गाड़ी उस बाढ़ के पानी में फंस गई। पांच लोग 11 घंटे तक उस जगह पर खड़े रहे और माननीय मंत्री,† वहीं खड़ रहे,फोन पर न जाने किस-किस से बात करते रहे,11 घंटे वे लोग वहीं पानी में खड़े रहें,उन्हें बचाया नहीं जा सका। पानी में वे बह गए। ...(**व्यवधान**)...सर,यह किस तरह का प्रशासन है,कैसी सरकार वहां चल रही है? ...(**व्यवधान**)...महोदय,यह बहुत ही ...(**व्यवधान**)...

श्री रामदास अग्रवाल(राजस्थान): सर,यह बिल्कुल गलत है।...(**व्यवधान**)...यह गलत है।...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज(मध्य प्रदेश): यह बिल्कुल गलत बात है।...(**व्यवधान**)...सर,स्थिति इससे बिल्कुल अलग है और किसी चीज़ को जाने बिना ...(**व्यवधान**)... ...(**व्यवधान**)...

---

*Expunged as ordered by the Chair.